हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

14 आयुष शिविर में 935 का उपचार व 168 बच्चों को...



14 एसएसबी के नागरिक कल्याण कार्यक्रम...



नवरात्रि विशेष



षष्ठमः कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में महिर्ष कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्होंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने - अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषासुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है।भगवती कात्यायनी की आराधना का श्लोक है- चंदहासोज्जवलकरा शार्दूलवरवाहना।

खबर संक्षेप



बोलेरो-पिकअप की भिड़ंत में बाइक सवार की मौत

कांकेर। ताड़ोकी थाना क्षेत्र के सरंडी चिहरीपारा के पास तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 34 वर्षीय राकेश जैन की मौके पर मौत हो गई। मृतक ससुराल से अपनी बाइक से महेंद्रपुर लौट रहा था, तभी पीछे से आ रही पिकअप क्रमांक सीजी 19 बीवी 1584 ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने जांच के बाद पिकअप चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दुर्गोत्सव में जसगीतों की शानदार प्रस्तुति

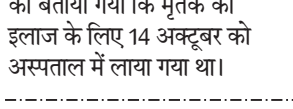

कांकेर। गीतपहर में 14 अक्टूबर को श्रीश्री दुर्गा उत्सव समिति बाजारपारा के तत्वाधान में समिति के पदाधिकारीयो द्वारा जस गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एक से बढ़कर एक जस गीत सेवा मंडलीयो ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में दिलीप कुमार सिंहा, नेहरू रजक, सदा राम नेताम, ओमप्रकाश साहू, निर्जल रजक, मंगल मंडावी, खूबलाल नेताम, महेश निषाद का विशेष सहयोग रहा।

26 वर्षीय युवक की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत कानागांव निवासी 26 वर्षीय अखिलेश कुमार पिता देवसाय का स्वास्थ्य खराब होने के कारण जिला अस्पताल में इलाज के लिए लाए थे, लेकिन उसकी इलाज से पहले ही मौत हो गई। अस्पताल से अस्पताली मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतक को इलाज के लिए 14 अक्टूबर को अस्पताल में लाया गया था।

पंचमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, जयकारों से गूंजे मंदिर परिसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर 15 अक्टूबर गुरुवार को शहर के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। नवरात्रि के पंचमी दिवस पर सुबह से ही माता के दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना के लिए भक्त मंदिरों में पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं की आवाजाही से मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। माता के जयकारों, घंटियों की गूंज और पूजा-अर्चना के बीच पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर नजर आया।

नवरात्रि के पांचवें दिन मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। भक्तों ने माता को फूल, नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कई श्रद्धालु परिवार सहित मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की



विशेष पूजा-अर्चना के लिए सुबह से पहुंचे भक्त

सुबह से मंदिरों में पहुंचने लगे श्रद्धालु

पंचमी के अवसर पर शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पाठ किया गया। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर माता की आराधना की और नवरात्रि के दौरान सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। नवरात्रि के चलते शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है। घरों से लेकर मंदिरों तक माता की भक्ति और आराधना की जा रही है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में श्रद्धालु उपवास रखकर माता की पूजा करते हैं। पंचमी के दिन विशेष पूजा-अर्चना को लेकर भक्तों में खास उत्साह दिखाई दिया।

भक्ति और आस्था में डूबा शहर

नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना, श्रद्धा और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। पंचमी के अवसर पर मंदिरों में उमड़ी भीड़ ने शहर के भक्तिमय वातावरण को और खास बना दिया। श्रद्धालु माता के दर्शन कर मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते नजर आए। मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला दिनभर जारी रहा। नवरात्रि के आगामी दिनों में भी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है।

अपराध : डीजल में भीगे कपड़ों को केबिन के अंदर फेंका गया

नाराज मजदूरों ने रची 3 पोकलेन मशीन जलाने की साजिश, 5 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

माइंस प्रबंधन से मजदूरों की मांगों और जमीन विवाद को लेकर नाराजगी इस कदर बढ़ी कि कथित तौर पर तीन पोकलेन मशीनों को आग के हवाले करने की साजिश रच दी गई। चेमल स्थित पुष्प स्टील माइंस में हुई इस घटना को नक्सली वारदात का रूप देने के लिए आरोपियों ने घटनास्थल पर लाल रंग से लिखी पर्चियां भी छोड़ीं। मजदूर ट्रेड यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष सहदेव तुलावी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मशीनों में आग लगाने की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। इस घटना में शामिल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 326 के तहत कार्यवाही कि गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम बोदेली निवासी मजदूर पुष्प स्टील माइंस चेमल में काम करते है। माइंस प्रबंधन द्वारा मजदूरों की मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं किए जाने से मजदूरों में नाराजगी थी। मजदूरों ने अपनी मांगों को प्रबंधन के समक्ष रखने के लिए मजदूर ट्रेड यूनियन समिति का गठन

शेष पेज 12 पर

जमीन पर माइंस का माल निकालने के लिए कच्ची सड़क बनाने पर विवाद की खन्नस निकाली



रात में माइंस पहुंचकर 3 मशीनों में लगाई आग

जानकारी के अनुसार 5 अक्टूबर 2026 की रात करीब 9 बजे सहदेव तुलावी, प्रेमसिंह कोरोटी, शिवलाल तुलावी, ओमप्रकाश कचलाम, बुजलाल सलाम एड़गुड़ के पास माइंस क्षेत्र में एकत्र हुए। सीएएफ कैंप के पीछे नाले की ओर से माइंस में पहुंचे और वहां खड़ी पोकलेन मशीनों को निशाना बनाया। मशीनों के शीशे तोड़कर डीजल में भीगे कपड़ों को केबिन के अंदर फेंका गया, जिससे तीन पोकलेन मशीनों में आग लग गई।

साक्ष्य छिपाने सामग्री को फेंका

मशीनों में आग लगाने के लिए इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोतल में बचा डीजल, डीजल से भीगे कपड़े, लाइटर, टंगिया और कोरे कागज को बोदेली निवासी आनंद के खेत के पास गड्ढे में फेंकी गई, सामाग्री को पुलिस ने जब्त भी किया।

बैठक में बनाई जलाने की योजना

जानकारी के अनुसार मजदूर ट्रेड यूनियन समिति अध्यक्ष सहदेव तुलावी ने पुलिस को बताया कि 2 अक्टूबर 2026 को बोदेली गांव में प्रेमसिंह कोरोटी, शिवलाल तुलावी, ओमप्रकाश कचलाम, बुजलाल सलाम और संबंधित व्यक्ति ने बैठक किया और माइंस में खड़ी पोकलेन मशीनों को जलाने की योजना बनाई। इसके बाद 4 अक्टूबर को मशीनों की जानकारी रखने वाले राजेन्द्र राना को भी योजना में शामिल करने का प्रयास किया गया। उसके इनकार करने पर उसे और उसकी गर्भवती पत्नी को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दिया था।

नक्सली घटना का रूप देने की थी कोशिश

वारदात के बाद घटना को नक्सली घटना का रूप देने के उद्देश्य से मशीनों के पास दो कोरे कागजों पर लाल रंग से लिखी पर्चियां पत्थरों से दबाकर छोड़े जाने की बात भी आरोपियों ने स्वीकार किया। इसके बाद सभी आरोपी वहां से भाग गए।

कार्रवाई में यह रहे शामिल

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा और एसडीओपी भानुप्रतापपुर शेर बहादुर ठाकुर के मार्गदर्शन में दुर्गुकोंदल थाना प्रभारी सुनील दुबे, एएसआई पवन मरकाम, राजेंद्र साहू, एएसआई भाकेश पटेल, आरक्षक प्रणय यादव एवं आरक्षक ऋषभ बाजपेयी सहित साइबर प्रभारी और पुलिस टीम के अन्य सदस्य शामिल रहें।

सूखा आम का पेड़ अंतागढ़-नारायणपुर मुख्य मार्ग पर हादसे को न्योता दे रहा

विभाग की अनदेखी से बढ़ा खतरा



हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंतागढ़

अंतागढ़-नारायणपुर मुख्य मार्ग पर इमलीपदर के पास सड़क किनारे खड़ा आम का एक विशाल सूखा पेड़ राहगीरों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। पेड़ की सूखी और फैली हुई शाखाओं को देखकर इसके कभी भी गिरने की आशंका जताई जा रही है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

इस मार्ग से दिन-रात सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होती है। इसके अलावा आम नागरिक, दोपहिया वाहन चालक और अन्य राहगीर भी इसी सड़क से गुजरते हैं। पास में ही सेंट मेरी स्कूल स्थित होने के कारण स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। तेज हवा, आंधी या अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में पेड़ अथवा इसकी बड़ी शाखाएं गिरने से जनहानि और वाहनों को नुकसान पहुंचने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय स्तर पर इस खतरे को लेकर संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क किनारे मौजूद ऐसे जोखिमपूर्ण पेड़ को हटाने या सुरक्षित करने के लिए अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित वन विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर पेड़ की स्थिति का आकलन किया जाए और आवश्यकतानुसार सुरक्षित तरीके से पेड़ को हटाया जाए या उसकी खतरनाक शाखाओं की छंटाई कराई जाए। साथ ही, कार्रवाई होने तक सड़क से गुजरने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए चेतावनी संकेत और जरूरी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को पहले ही सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उज्ज्वला योजना परलकोट में फेल 1 साल से गैस कनेक्शन नहीं मिला

कनेक्शन के लिए भटक रहे गरीब हितग्राही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजूर



केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना परलकोट क्षेत्र में जरूरतमंद हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने में नाकाम होती नजर आ रही है। क्षेत्र के कई गरीब परिवारों का आरोप है कि करीब एक साल पहले ऑनलाइन आवेदन करने और गैस एजेंसी में नाम दर्ज होने के बावजूद उन्हें अब तक गैस कनेक्शन नहीं मिला है। नतीजतन, हितग्राही जरूरी दस्तावेज लेकर एजेंसियों और संबंधित कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पखांजूर क्षेत्र में एचपी की तीन गैस एजेंसियां संचालित हो रही थीं। इनमें से दो एजेंसियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बताया जाता है कि तीसरी एजेंसी के संचालन में आने के बाद एचपी गैस द्वारा पहले की दोनों एजेंसियों को पखांजूर से हटा दिया गया। इसके बावजूद पूर्व में आवेदन करने वाले कई हितग्राहियों को अब तक कनेक्शन नहीं मिल पाया है। आरोप है कि मां अंबाबुद्दीन गैस एजेंसी और कुशल गैस एजेंसी के माध्यम से आवेदन करने वाले कई हितग्राहियों की प्रक्रिया अधूरी है। कुछ लोगों के गैस खाते तक स्थानांतरित नहीं किए गए हैं। वर्तमान में क्षेत्र में विशंभर गैस एजेंसी संचालित है, लेकिन पुरानी एजेंसियों से जुड़े मामलों का निराकरण नहीं होने के कारण हितग्राहियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। मामले को लेकर पखांजूर के खाद्य अधिकारी मुकेश साहू द्वारा रायपुर स्थित एचपी के सेल्स ऑफिसर और रीजनल मैनेजर को लगातार शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद करीब एक साल बीतने के बाद भी लंबित प्रकरणों का समाधान नहीं हो सका है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब मामला संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में है, तो हितग्राहियों को राहत देने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार बनी हुई है। उनका कहना है कि कार्रवाई के नाम पर एजेंसियों पर पेनल्टी लगाए जाने की बात सामने आती है, लेकिन इससे उन गरीब परिवारों को कोई सीधा लाभ नहीं मिल रहा, जिन्होंने योजना के तहत आवेदन किया था। हितग्राहियों का सवाल है कि यदि आवेदन स्वीकार होने और सूची में नाम आने के बाद भी गैस कनेक्शन नहीं मिलता, तो योजना का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक कैसे पहुंचेगा? गरीब परिवारों को बार-बार कार्यालयों और एजेंसियों के चक्कर लगाने से आखिर कब मुक्ति मिलेगी।

वाहन की ठोकर से 3 स्कूटी क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शहर के मुख्य मार्ग पर कलेक्टर बंगले के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड़क किनारे खड़ी तीन स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना 14 अक्टूबर की रात करीब 8.15 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

थाना कांकेर में शिकायत करने पहुंचे टीकरापारा कांकेर निवासी मोहम्मद ईरफान ने पुलिस को बताया कि कलेक्टर बंगले के बाजू में मेन रोड पर दुकान के बाहर अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 19 बीडबल्यू 8447 को दुकान के बाहर सड़क किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान एक वाहन वहां से गुजर रहा था। वाहन चालक अलबेलापारा वार्ड कांकेर निवासी 22 वर्षीय मोहम्मद वक्कास खान ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक वाहन



चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान के बाहर आवाज सुनकर मोहम्मद ईरफान तत्काल बाहर निकले। उन्होंने देखा कि उनकी एथर स्कूटी के अलावा वहां खड़ी एविनिश स्कूटी क्रमांक सीजी 19 बीक्यू 0548 और टीवीएस आईक्यू स्कूटी क्रमांक सीजी 19 बीटी 8800 भी टक्कर की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई थीं। घटना में तीनों स्कूटी को नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। शिकायत पर पुलिस ने मोहम्मद वक्कास खान के खिलाफ धारा 281 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

कार्यक्रम तैयारी के दौरान मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

दुर्गोत्सव समिति के अध्यक्ष को गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। समिति के अध्यक्ष ने बलराम भट्ट पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कांकेर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना कांकेर में शिकायत करने पहुंचे गणेश तिवारी ने पुलिस को बताया कि अपने मित्र सतीश दीपक के साथ भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के सामने श्री श्री नवजोत दुर्गोत्सव समिति के नाम से दुर्गा प्रतिमा स्थापित करते हैं। गणेश तिवारी समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि सतीश दीपक संरक्षक हैं। समिति की ओर से 13 अक्टूबर को किशोर कुमार नाइट्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें कल्पना जायसवाल ग्रुप को संगीत प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया था। पुलिस को दिए गए आवेदन में में बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान शाम करीब 6 बजे बलराम भट्ट आयोजन स्थल पर पहुंचा। उसने कथित तौर पर बताया कि वह पहले कल्पना जायसवाल के ग्रुप में काम करता था, लेकिन ग्रुप से निकाले जाने के बाद दूसरे संगीत समूह में शामिल हो गया। उसने आरोप लगाया कि उसी दिन कामेलदेव क्लब में उसके वर्तमान ग्रुप का कार्यक्रम था और प्रतिस्पर्धा के कारण समिति के आयोजन स्थल पर भी कार्यक्रम रखा गया है। पीड़ित ने विवाद नहीं करने और वहां से चले जाने के लिए समझाया। इससे नाराज होकर बलराम भट्ट ने कथित रूप से गाली-गलौज की और जान से मारकर वहीं दफनाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने घटना से भयभीत होने तथा अप्रिय घटना की आशंका जताई है। शिकायत पर पुलिस ने बलराम भट्ट के खिलाफ धारा 296, 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

अस्पताल से घड़ी चौक तक रैली निकालकर शासन का ध्यान कराया आकर्षित

14 साल से ग्रेड पे का इंतजार, सड़क पर उतरे नर्सिंग अधिकारी

चिकित्सा शिक्षा विभाग के नर्सिंग संवर्ग के ग्रेड पे वेतनमान संबंधी प्रस्ताव को लागू नहीं किए जाने से नर्सिंग अधिकारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अपनी लंबित मांगों को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के आह्वान पर 15 अक्टूबर को कांकेर में नर्सिंग अधिकारियों ने अस्पताल से घड़ी चौक तक रैली निकाली। रैली के माध्यम से शासन का ध्यान 14 वर्षों से लंबित ग्रेड पे वेतनमान की मांग की ओर आकर्षित कराया गया। एसोसिएशन ने मांग पूरी नहीं होने पर 18 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है।



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

एसोसिएशन के अनुसार, चिकित्सा शिक्षा विभाग के नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी ग्रेड पे वेतनमान की मांग को लेकर पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। संगठन का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर उनकी मांगों के संबंध में जनवरी 2026 में प्रस्ताव तैयार किया गया था, लेकिन नौ महीने बीत जाने के बाद भी इसे लागू नहीं किया गया है। इससे नर्सिंग अधिकारियों में असंतोष व्याप्त है। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में लंबित प्रस्ताव को शीघ्र लागू करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों की मांगों पर लंबे समय से निर्णय नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। रैली के जरिए कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए शासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

दी अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि ग्रेड पे वेतनमान संबंधी प्रस्ताव लागू नहीं किया गया, तो 18 नवंबर 2026 से प्रदेश के सभी 10 मेडिकल कॉलेजों के नर्सिंग संवर्ग के अधिकारी-कर्मचारी अनिश्चितकालीन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में आंदोलन की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

रैली में यह रहे शामिल

एसोसिएशन अध्यक्ष प्रिया मरकाम, हुमेश्वर सिन्हा, मेनूका रावत, किरण, दीपमाला कुर्रे, चंद्रलता साहू, पूजा कौशल,समीक्षा कलामे, यशोदा दुग्गा, कुमुद, सौरभ श्रीवास,गौतम, दीपक देवांगन, ईश्वन्त नाग, भूपेंद्र प्रसाद, सीमा सिन्हा, गीता भरोसा एवं समस्त सदस्य उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति के लिए 30 तक करें आवेदन

कोंडागांव। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए पात्र विद्यार्थियों से आवेदन मंगाए गए हैं। योजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान एवं निम्न आय वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित उच्च व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 30 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

वीबीजीरामजी योजना से 8 पदों पर होगी भर्ती, 6 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

कोण्डागांव। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण योजना के तहत जिले में विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। योजना के अंतर्गत कुल 8 रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता रखने वाले छत्तीसगढ़ के पात्र अभ्यर्थी 6 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी का 1 पद, सहायक प्रोग्रामर के 2 पद तथा लेखापाल के 5 पदों पर संविदा नियुक्ति की जाएगी। इन पदों के लिए शासन द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य नियमों के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

महतारी वंदन योजना से तुलसी बती को मिला आर्थिक संबल

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने महतारी वंदन योजना शुरू की गई है। योजना से मिलने वाली नियमित सहायता राशि महिलाओं को घरेलू खर्चों के साथ परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर रही है। इसी योजना से कोण्डागांव जिले के ग्राम तातरी निवासी तुलसी बती पोयाम भी लाभान्वित हो रही हैं। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत तुलसी बती पोयाम को अब तक कुल 30 हजार की आर्थिक सहायता प्राप्त हो चुकी है। इस राशि का उपयोग वे परिवार की दैनिक आवश्यकताओं और घरेलू खर्चों को पूरा करने में कर रही हैं।



पुनर्वास नीति से चीतुराम को मिला पक्का आशियाना

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले व्यक्तियों और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी नीति के तहत कोण्डागांव जिले के मर्दापाल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चांगेर निवासी चीतुराम शोरी को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से पक्का मकान मिला है। अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। चीतुराम शोरी पूर्व में हिंसा के रास्ते पर चले गए थे, लेकिन उन्होंने आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इसके बाद शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई।



कार्यालय वन परिक्षेत्र अधिकारी वन परिक्षेत्र कांकेर (सा.) (छ.ग.)

—:: ईश्तहार ::—

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उकेश कुमार मेरिहा पिता स्व. शंकर मेरिहा निवासी ग्राम-धनेलीकन्हार, तहसील-कांकेर, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.) ने आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि ग्राम-धनेलीकन्हार खातेदार (1) श्रीमती मानबाई मेरिहा (पत्नी) (2) उकेश मेरिहा (पुत्र) (3) श्रीमती रम्भा मेरिहा (पुत्रवधु) (4) श्री कुनाल मेरिहा (नाती) (5) श्री वायांश मेरिहा (नाती) पिता स्व. शंकर मेरिहा पिता स्व. डरहु मेरिहा के फौत होने पर मै धारित भूमि पर वारिसन हक में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वह धनेलीकन्हार में स्थित है। कक्ष क्रमांक आर.एफ. 60 वन अधिकार पत्र क्रमांक 0302230 रकबा-1.00 हेक्ट. है। उक्त भूमि वारिसन हक में नाम दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

नामांतरण हेतु वारिसानों की सूची:-

(1) श्रीमती मानबाई मेरिहा (पत्नी), निवासी ग्राम – धनेलीकन्हार(2) श्री उकेश कुमार मेरिहा (पुत्र), निवासी ग्राम – धनेलीकन्हार(3) श्रीमती रम्भा मेरिहा (पुत्रवधु), निवासी ग्राम – धनेलीकन्हार(4) श्री कुनाल मेरिहा (नाती), निवासी ग्राम – धनेलीकन्हार(5) श्री वायांश मेरिहा (नाती), निवासी ग्राम – धनेलीकन्हार

तदसंबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो तो वे स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से आज दिनांक 15/10/2026 के 07 दिवस के भीतर दावा आपत्ति इस कार्यालय में पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 15 / 10 /2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 15/10/2026

मुहर — वन परिक्षेत्र अधिकारी कांकेर (सा.)

विधायक लता उसेंडी ने दी 7.68 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कोण्डागांव और माकड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों में सड़क, पुल–पुलिया और सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी ने बुधवार को कोण्डागांव एवं माकड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों में 7 करोड़ 68 लाख से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें डामरीकरण सड़क, पुल–पुलिया, सीसी रोड और सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विधायक सुश्री लता उसेंडी ने माकड़ी विकासखंड के ग्राम बबई से करमरी दुर्गा चौक तक 3 करोड़ की लागत से 2.80 किलोमीटर लंबी डामरीकरण सड़क एवं पुल–पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसी प्रकार ग्राम बालोंड में कालीपारा से हुक्काबेड़ा पाथरी तक 4 किलोमीटर लंबी डामरीकरण सड़क एवं पुल–पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस कार्य पर 4 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम पलारी के नानीपदर पारा में 15 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम पल्ली में 3 लाख की लागत से मावली गुड़ी निर्माण तथा 10 लाख रुपये की लागत से आदिवासी सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई।



ये रहे उपस्थित

इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत होगा और लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। वहीं सामुदायिक भवन निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। भूमिपूजन में पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, राज्य तीरंदाजी संघ के उपाध्यक्ष दीपेश अरोरा, जनपद पंचायत माकड़ी की अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जनपद पंचायत कोण्डागांव के उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर, भगवती नेताम, जनपद सदस्य ममता नेताम, पूजा शर्मा, अंगद पटेल, चंदन साहू, धनजू मरकाम, संजू पोयाम, संजू ग्वाल, ललित पोयाम, पन्ना लाल नेताम एवं मेषलाल पोयाम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

शिल्पकार बन्नू राम ने देशभर से चयनित छह शिल्प गुरुओं में बनाई जगह

बस्तर की ढोकरा शिल्पकला को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

- शिल्प गुरु अवार्ड 2025 के लिए चयन

बस्तर की पारंपरिक ढोकरा शिल्पकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरकई निवासी प्रसिद्ध शिल्पकार बन्नू राम बैध का चयन प्रतिष्ठित शिल्प गुरु अवार्ड 2025 के लिए किया गया है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अंतिम चयन सूची में उनका नाम शामिल है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए देशभर से कुल छह शिल्प गुरुओं का चयन किया गया है।

शिल्प गुरु अवार्ड 2025 के लिए केंद्रीय स्तरीय चयन समिति की 18 जुलाई को आयोजित बैठक में बन्नू राम बैध के नाम को अंतिम रूप दिया गया। देशभर के छह चयनित शिल्पकारों में स्थान प्राप्त करना कोण्डागांव जिले सहित पूरे बस्तर अंचल और छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।



श्री बैध ने बस्तर की प्राचीन ढोकरा धातु शिल्पकला के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पारंपरिक मधुच्छिष्ट अर्थात मोम–ढलाई तकनीक से निर्मित कलाकृतियों के माध्यम से बस्तर की विशिष्ट हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य किया है।

श्री बैध की कलाकृतियों में बस्तर के आदिवासी जनजीवन, लोकसंस्कृति, देवी–देवताओं और प्रकृति का सजीव चित्रण देखने को मिलता है। उनकी शिल्पकला पारंपरिक तकनीक के साथ स्थानीय सांस्कृतिक विरासत की विशेषताओं को भी प्रदर्शित करती है।

श्री बैध ने ढोकरा शिल्पकला को संरक्षित रखने के साथ नई पीढ़ी को इसका प्रशिक्षण देने में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके प्रयासों से पारंपरिक हस्तशिल्प की तकनीक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

श्री बैध का प्रतिष्ठित शिल्प गुरु अवार्ड के लिए चयनित होना माकड़ी विकासखंड, कोण्डागांव जिले और पूरे बस्तर अंचल के लिए गौरव का विषय है। उनकी यह उपलब्धि हस्तशिल्प से जुड़े अन्य कलाकारों को प्रोत्साहित करने के साथ युवाओं को अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रेरित करेगी।

बन्नू राम बैध के शिल्प गुरु अवार्ड 2025 के लिए चयनित होने पर जिला प्रशासन कोण्डागांव एवं छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड, जिला कोण्डागांव ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य और शिल्पकला के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की कामना की है।

कोण्डागांव में कॉटन गद्दा निर्माण इकाई का शुभारंभ, 30 लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी ने गुरुवार को बड़ेकनेरा मार्ग स्थित सर्व मांगलिक भवन में कॉटन गद्दा निर्माण इकाई का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन की पहल पर लगभग 5 लाख रुपये की लागत से स्थापित इस इकाई में गारमेंट फैक्ट्रियों से निकलने वाले कपड़ों के अपशिष्ट का उपयोग कर गद्दे, कुशन और तकिए तैयार किए जाएंगे। इस पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होने के साथ अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला प्रशासन कोण्डागांव की पहल पर स्थापित कॉटन गद्दा निर्माण इकाई में कपड़ों के अवशेषों का उपयोग कर उपयोगी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इकाई का उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों का पुनः उपयोग सुनिश्चित करते हुए स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है।

वर्तमान में इस निर्माण इकाई में 10 हितग्राही कार्यरत हैं। प्रत्येक हितग्राही को लगभग 7 हजार 500 से 10 हजार तक मासिक आय प्राप्त होने की संभावना है। इकाई के माध्यम से लगभग 30 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इकाई में गारमेंट फैक्ट्रियों से प्राप्त कपड़ों के अपशिष्ट से कॉटन गद्दे, कुशन एवं तकिए तैयार किए जाएंगे। यहां प्रति व्यक्ति प्रतिदिन लगभग 8 से 10 गद्दे तैयार करने की अनुमानित उत्पादन क्षमता है। इससे स्थानीय स्तर पर गद्दा निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

विचाराधीन बंदियों के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें : न्यायाधीश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश खिलावन राम रिगरी की अध्यक्षता में विचाराधीन बंदी समीक्षा समिति, निगरानी प्रकोष्ठ एवं अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना के मामलों को लेकर संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोण्डागांव जिले के अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से तथा नारायणपुर जिले के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस दौरान विचाराधीन बंदियों के अधिकारों, न्यायालय भवन निर्माण कार्यों और सड़क दुर्घटना पीड़ितों को क्षतिपूर्ति दिलाने से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। विचाराधीन बंदी समीक्षा समिति की बैठक में लंबे समय से जेल में निरुद्ध बंदियों के प्रकरणों पर विशेष चर्चा की गई। इनमें ऐसे बंदी भी शामिल रहे, जिनकी जमानत स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन जमानत की शर्तें पूरी नहीं कर पाने के कारण वे जेल में हैं। इसके अलावा ऐसे विचाराधीन बंदियों के मामलों की भी समीक्षा की गई, जो संबंधित अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा की अवधि की तुलना में पर्याप्त समय जेल में बिता चुके हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रिगरी ने संबंधित अधिकारियों को पात्र बंदियों के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधि के प्रावधानों के अनुरूप पात्र बंदियों को राहत प्रदान करने की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। साथ ही बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। निगरानी प्रकोष्ठ की बैठक में कोण्डागांव में नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण के लिए आवंटित भूमि पर निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर चर्चा हुई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन से ग्राम हड़ेली के 89 परिवारों तक पहुंचा शुद्ध पेयजल



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के विजन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जल जीवन मिशन से कोण्डागांव जिले के दूरस्थ ग्राम हड़ेली में ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। जिला मुख्यालय से लगभग 39 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत हड़ेली के 89 परिवारों को अब घरों में नल के माध्यम से नियमित स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

स्वच्छ पेयजल से स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ावा

जल जीवन मिशन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ने से ग्रामीणों को दूषित जल स्रोतों पर निर्भरता से राहत मिली है। इससे जलजनित बीमारियों के जोखिम को कम करने और ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य एवं जीवनस्तर में सुधार लाने में मदद मिल रही है।

हर घर जल उत्सव में लिया जल संरक्षण का संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हाल ही में आयोजित हर घर जल उत्सव में ग्राम हड़ेली के ग्रामीणों ने जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा उपलब्ध जल स्रोतों को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता जताई।

बस्तर के प्रवेश द्वार केशकाल घाटी में विराजी हैं मां दुर्गा

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध केशकाल घाटी इन दिनों मां दुर्गा की आराधना और आस्था के रंग में रंगी नजर आ रही है। घाटी में विराजित मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। माता के दर्शन कर श्रद्धालु सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे पहाड़ों और हरियाली से घिरी केशकाल घाटी बस्तर की पहचान मानी जाती है। ऐसे रमणीय परिवेश में मां दुर्गा की प्रतिमा श्रद्धालुओं के मन में विशेष श्रद्धा का भाव जागृत कर रही है। नवरात्रि पर देवी आराधना का महत्व और भी बढ़ जाता है। माता के नौ रूपों की पूजा-अर्चना के साथ भक्तजन भक्ति में लीन रहते हैं और पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहता है। केशकाल घाटी से गुजरने वाले राहगीरों और पर्यटकों के लिए भी मां दुर्गा की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक आस्था का यह संगम क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाता है। मां दुर्गा के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और घाटी का मनोहारी वातावरण मिलकर एक विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करते हैं।



जुगानी कैंप में आज से सजेगा दुर्गा पूजा का दरबार, मीना बाजार भी रहेगा आकर्षण

कोण्डागांव। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के तत्वावधान में ग्राम जुगानी कैंप में 16 अक्टूबर से मां दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा। दुर्गोत्सव परिसर में श्रद्धालुओं के मनोरंजन और सुविधा के लिए मीना बाजार, खान–पान की दुकानें और अन्य दुकानें सजाई जा रही हैं। पूजा के दौरान प्रतिदिन मां दुर्गा की विधिवत आरती और पूजा होगी। ढाक, कांस, शंख ध्वनि और उलू ध्वनि से पूजा परिसर भक्तिमय बनेगा। इस वर्ष दुर्गोत्सव का प्रमुख आकर्षण 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय डीजे डांस प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी नृत्य प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। समिति द्वारा प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की जाएगी।

विजयादशमी के अवसर पर 21 अक्टूबर को सिंदूर दान और बंग मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही दुर्गोत्सव का समापन पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण में होगा।

पंचमी पर सशिमं के छात्रों ने की माता शीतला की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल।

पंचमी पर सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों ने भक्तिभाव के साथ मां शीतला की आराधना की। बच्चे शीतला माता मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। पंचमी पर मां शीतला की आराधना का विशेष महत्व रहा। विद्यार्थियों ने माता के समक्ष शीश नवाकर सभी के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। धार्मिक परंपराओं के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम ने बच्चों को आस्था और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।



समक्ष श्रीमान नोटरी पब्लिक महोदय, भानुप्रतापपुर जिला-उ.ब.कांकेर (छ.ग.)

शपथ पत्र

हरिशचन्द्र सिन्हा, पिता धरमन सिन्हा, उम्र 52 वर्ष, जाति कलार निवासी सुभाषपारा वार्ड क्र.9 भानुप्रतापपुर थाना व तहसील भानुप्रतापपुर जिला उ.ब.कांकेर छ.ग.

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यनिष्ठा पूर्वक कंडिकावार निम्न कथन शपथ पूर्वक व्यक्त करता हूं :-

1. यह कि मेरा विवरण उपरोक्तानुसार होकर मेरा वास्तविक नाम हरिशचन्द्र सिन्हा पिता धरमन सिन्हा तथा मेरी वास्तविक जन्म तिथि 15/03/1973 है जो मेरे दाखिल पंजी में दर्ज है।
2. यह कि मेरे नाम पर जारी आधार कार्ड में मेरा नाम हरिचन्द्र सिन्हा पिता धरमन सिन्हा एवं मेरी जन्म तिथि 01/01/1944 दर्ज की गई है जो कि गलत है।
3. यह कि मेरे पास हरिशचन्द्र सिन्हा एवं जन्म तिथि 01/01/1944 का कोई भी दस्तावेज नही है।
4. यह कि इस शपथ पत्र के आधार पर मेरे आधार कार्ड में मेरा वास्तविक नाम हरिशचन्द्र सिन्हा पिता धरमन सिन्हा तथा मेरी वास्तविक जन्म तिथि 15/03/1973 दर्ज की जावे, लिखी पढ़ी एवं समझी जावे तथा संशोधन किया जावे एवं संशोधन पश्चात नवीन आधार कार्ड जारी किया जावे। इस हेतु भविष्य में होने वाले समस्त दायित्वों हेतु मै स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।
5. यह कि उक्ताशय का शपथपत्र प्रस्तुत है।

सत्यापन — शपथकर्ता

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यनिष्ठापूर्वक यह घोषित एवं सत्यापित करता हूं कि उक्त शपथपत्र की कंडिका 1 से 5 में अंकित समस्त तथ्य मेरी निजी जानकारी ज्ञान एवं विश्वास में पूर्ण सत्य एवं सही है। आज दिनांक 13/10/2026 को स्थान भानुप्रतापपुर में अपने हस्ताक्षर से सत्यापित किया हूं।

हरिशचन्द्र
शपथकर्ता

चिलपुटी को मिली 1.06 करोड़ के नए स्कूल भवन की सौगात

कोण्डागांव। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने बुधवार को कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम चिलपुटी में 1 करोड़ 6 लाख की लागत से नवनिर्मित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए विद्यालय भवन की शुभकामनाएं देते हुए बेहतर शैक्षणिक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि नए विद्यालय भवन से विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से नई ऊर्जा और उत्साह के साथ मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने की अपील की।

पेज 11 के शेष

नाराज मजदूरों ने रची 3...

किया था। इसके अलावा, गांव के गायता सनकू राम तुलावी की जमीन पर माइंस का माल निकालने के लिए कच्ची सड़क बनाए जाने को लेकर भी विवाद था। इस संबंध में वर्ष 2025 में न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उस पर सुनवाई नहीं हुई थी। पहाड़ी क्षेत्र में माइंस का काम बढ़ने से भी आरोपियों में नाराजगी बढ़ गई थी।









विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

आयुष लहरे का राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक टीम में चयन



बस्तर। बस्तर के बकावंड ब्लॉक के ग्राम पंचायत मोंगरापाल एवं बस्तर के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि यहां के निवासी अजय लहरें के प्रतिभावान सुपुत्र आयुष लहरें का चयन छत्तीसगढ़ राज्य की आधिकारिक अंडर-14/17/19 जिम्नास्टिक आर्टिस्टिक टीम में हुआ है। हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आधिकारिक चयन सूची के अनुसार, आयुष लहरें ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट और शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुख्य चयन सूची में अपनी जगह बनाई है। इस प्रतियोगिता में आयुष लहरें बस्तर संभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। आयुष की इस बड़ी उपलब्धि पर प्राथमिक शाला मोंगरापाल के शिक्षक मंगल राम कश्यप, अमलसाय मौर्य और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अनुपस्थिति पर 2 कर्मचारी सेवा से हटाए गए

बीजापुर। शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं बिना पूर्व सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के मामले में जिला कार्यालय बीजापुर में पदस्थ दो कर्मचारियों के विरुद्ध सेवा से हटाने की कार्रवाई की गई है। इनमें चौकीदार सूरज काका एवं भृत्य अशोक यालम शामिल हैं। यह दोनों कर्मचारी बिना लिखित सूचना अथवा मौखिक जानकारी दिए अपने कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। इस संबंध में बार-बार कारण बताओ नोटिस एवं आरोप पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। किंतु संबंधित कर्मचारियों ने न तो कोई जवाब प्रस्तुत किया और न ही कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नियमानुसार विभागीय जांच संस्थित कर दोनों कर्मचारियों को अपना पक्ष रखने एवं बचाव साक्ष्य प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर दिए गए। इसके बावजूद वे जांच में उपस्थित नहीं हुए। विभागीय जांच अधिकारियों द्वारा गवाहों के बयान एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर प्रस्तुत जांच प्रतिवेदनों में दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए।

निधन

हितेंद्री आचार्य

जगदलपुर। बकावण्ड विकासखण्ड के ग्राम सांवरा निवासी स्व. पदम नाथ आचार्य की धर्मपत्नी हितेंद्री आचार्य



(बालों.) का आज प्रातः उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में निधन हो गया। वह अजय, संतोष तथा राजेश आचार्य की माता थी। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम सांवरा में किया गया। अंतिम यात्रा में परिजन, समाज के लोग समेत शहर एवं ग्रामवासी शामिल हुए। वह भरापूरा परिवार छोड़ गई।

संयुक्त संचालक ने जारी किया आदेश

संपत्ति कर से लेकर दुकानों की नीलामी तक 6 बिंदुओं पर होगी जांच

लीलाधर राठी ▶▶| सुकमा

सुकमा नगर पालिका में संपत्ति कर के निर्धारण और वसूली को लेकर हरिभूमि में प्रकाशित खबर का असर अब प्रशासनिक स्तर पर दिखाई देने लगा है। संपत्ति कर की दरों, वार्डों में अलग-अलग निर्धारण, पारदर्शिता की कमी और नागरिकों की शिकायतों से जुड़े मुद्दों के बीच अब नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली की व्यापक जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, बस्तर संभाग जगदलपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बस्तर संभाग के जगदलपुर को छोड़कर अन्य नगरीय निकायों में संपत्ति कर के पुनर्निर्धारण सहित छह महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी और अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा।

- बस्तर संभाग में जगदलपुर को छोड़ सभी नगरीय निकायों की होगी पड़ताल

सुकमा नपा में पारदर्शिता की कमी

हरिभूमि ने अपनी खबर में सुकमा नगर पालिका में संपत्ति कर निर्धारण की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए बताया था कि अलग-अलग वार्डों में संपत्तियों की स्थिति, बाजार मूल्य, व्यावसायिक गतिविधियों और उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर कर निर्धारण को लेकर नागरिकों के बीच असमंजस है। लोगों की शिकायत है कि संपत्ति कर की गणना किस आधार पर की जा रही है, इसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होने से पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। अब विभागीय आदेश के बाद इन व्यवस्थाओं की जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है।

छह बिंदुओं पर होगी जांच

संयुक्त संचालक कार्यालय के आदेश में नगरीय निकायों से संबंधित अभिलेखों और राजस्व संबंधी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में मुख्य रूप से संपत्ति कर, समेकित कर एवं जलकर निर्धारण से संबंधित डिमांड पंजी का परीक्षण के साथ साथ रसीद बुक एवं कैशबुक का सत्यापन किया जावेगा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ नगरपालिका (भवन एवं भूमियों के वार्षिक भाड़ा मूल्य की अवधारणा) नियम के तहत दर निर्धारण की जानकारी, परिषद के संकल्प की प्रति तथा कलेक्टर द्वारा निर्धारित दरों का परीक्षण एवं संपत्ति कर, समेकित कर एवं जलकर तथा यूजर चार्ज की निर्धारित दरों से संबंधित जानकारी और आवश्यक प्रपत्रों का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए है। जारी आदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 15 अक्टूबर 2026 तक के राजस्व संग्रहण की स्थिति की समीक्षा के साथ साथ दुकानों की नीलामी एवं फ्रीहोल्ड से संबंधित जानकारी और अभिलेखों की जांच की जावेगी। संयुक्त संचालक ने पत्र के माध्यम से आदेश देते हुए कहा कि विभाग यह परीक्षण करेगा कि कर निर्धारण नियमानुसार किया गया है या नहीं, राजस्व संग्रहण की स्थिति क्या है और दुकानों की नीलामी सहित अन्य प्रक्रियाओं में निर्धारित नियमों का पालन किया गया है या नहीं।


जगह नहीं बल्कि चेहरे देख होती है संपत्ति कर की वसूली

15 वार्डों में कर निर्धारण पर हरिभूमि ने उठाए थे सवाल

सुकमा नगर पालिका में कुल 15 वार्ड हैं। इन वार्डों की भौगोलिक स्थिति, बाजार क्षेत्र, आवासीय बस्तियों और व्यावसायिक गतिविधियों में अंतर होने के कारण संपत्ति कर निर्धारण को लेकर सवाल उठते रहे हैं। नागरिकों की मांग है कि कर की दरें तय करने के आधार, संपत्तियों का वर्गीकरण और वसूली की प्रक्रिया स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की असमानता की आशंका दूर की जा सके। हरिभूमि की खबर में यह मुद्दा भी उठाया गया था कि कर वसूली की व्यवस्था केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि नागरिकों को यह जानकारी भी मिलनी चाहिए कि उनसे कितनी राशि और किस नियम के तहत ली जा रही है। ऐसे में विभागीय जांच को पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खबर का असर

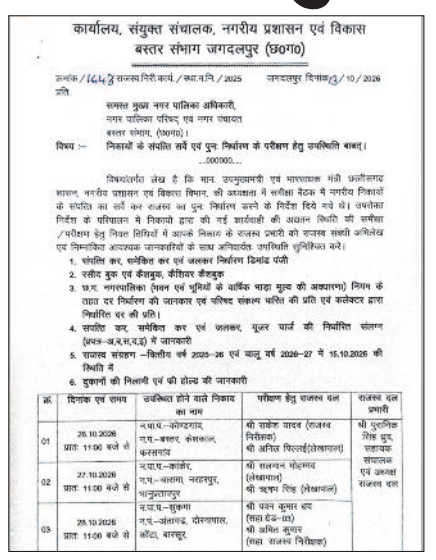
कार्यालय, संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास
बस्तर संभाग जगदलपुर (छ0ग0)

क्रमांक/1643/राजस्व निरी.कार्य./स्था.न.नि./2025 जगदलपुर दिनांक/3/10/2026

प्रति,

समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत
बस्तर संभाग, (छ0ग0)।

विषय :- निकायों के संपत्ति सर्वे एवं पुनः निर्धारण के परीक्षण हेतु उपस्थिति बाबत्।

...000000...

विषयांतर्गत लेख है कि मान. उपमुख्यमंत्री एवं भारतीयक मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, की अध्यक्षता में सचीवा बैठक में नगरीय निकायों के संपत्ति का सर्वे कर राजस्व का पुनः निर्धारण करने के निर्देश दिये गये थे। उपरोक्त निर्देश के परिपालन में निकायों द्वारा की गई कार्रवाई की अद्यतन स्थिति की समीक्षा/परीक्षण हेतु नियत तिथियों में आपके निकाय के राजस्व प्रभारी को राजस्व संबंधी अभिलेख एवं निम्नांकित आवश्यक जानकारियों के साथ अनिवार्यतः उपस्थिति सुनिश्चित करें।

1. संपत्ति कर, समेकित कर एवं जलकर निर्धारण डिमांड पंजी
2. रसीद बुक एवं कैशबुक, कैशियर कैशबुक
3. छ.ग. नगरपालिका (भवन एवं भूमियों के वार्षिक भाड़ा मूल्य की अवधारणा) नियम के तहत दर निर्धारण की जानकार एवं परिषद संकल्प भारित की प्रति एवं कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर की प्रति।
4. संपत्ति कर, समेकित कर एवं जलकर, यूजर चार्ज की निर्धारित संलग्न (प्रपत्र-अ,ब,स,द,इ) में जानकारी
5. राजस्व संग्रहण –वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं चालू वर्ष 2026-27 में 15.10.2026 की स्थिति में
6. दुकानों की निलामी एवं फ्री होल्ड की जानकारी

क्र.	दिनांक एवं समय	उपस्थित होने वाले निकाय का नाम	परीक्षण हेतु राजस्व दल	राजस्व दल प्रभारी
01	26.10.2026 प्रातः 11:00 बजे से	न.पा.प.–कोण्डगांव, न.प.–बस्तर, केशकाल, फरसगांव	श्री राकेश यादव (राजस्व निरीक्षक) श्री अनिल पिल्लई(लेखापाल)	श्री पुराणिक सिंह ध्रुव, सहायक संचालक एवं उपाध्यक्ष राजस्व दल
02	27.10.2026 प्रातः 11:00 बजे से	न.पा.प.–कांकेर, न.प.–बालाघ, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर	श्री सलमान मोहम्मद (लेखापाल) श्री ऋषभ सिंह (लेखापाल)	
03	28.10.2026 प्रातः 11:00 बजे से	न.पा.प.–सुकमा न.प.–जंतागढ़, दोरनापाल, कोंटा, बारसूर	श्री पवन कुमार हाथ (सहा.रोड-ग्रा) श्री अनिल कुमार (सहा. राजस्व निरीक्षक)	

जगदलपुर को छोड़ अन्य निकायों में परीक्षण

जारी आदेश के अनुसार, निर्धारित कार्यक्रम के तहत 26 अक्टूबर से 4 नवंबर 2026 तक अलग-अलग तिथियों में नगरीय निकायों के अभिलेखों का परीक्षण राजस्व दल प्रभारी पुराणिक सिंह ध्रुव सहायक संचालक व 3 सदस्यों के द्वारा किया जाना है। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में सुकमा सहित बस्तर संभाग के विभिन्न नगरीय निकायों को शामिल किया गया है, जबकि जगदलपुर नगर निगम को इस जांच कार्यक्रम से अलग रखा गया है।

जांच के बाद सामने आएगा बड़ा मामला

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में संपत्ति कर निर्धारण, राजस्व संग्रहण और दुकानों की नीलामी से संबंधित अभिलेखों में क्या स्थिति सामने आती है। यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित विभागीय नियमों के तहत आगे की कार्रवाई का प्रश्न उठेगा। फिलहाल, हरिभूमि की खबर के बाद जारी यह आदेश नगरीय निकायों की राजस्व व्यवस्था की समीक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि संपत्ति कर निर्धारण और दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया में किन सुधारों की आवश्यकता है। नागरिकों को उम्मीद है कि इस प्रक्रिया से कर निर्धारण में पारदर्शिता बढ़ेगी और राजस्व संबंधी व्यवस्थाएं अधिक जवाबदेह बनेंगी।

जांच के बाद बढ़ेगा राजस्व और दिखेगी पारदर्शिता



सुकमा नपा पार्षद श्रीमती कांता राठी ने संयुक्त संचालक द्वारा जारी आदेश पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। ऐसे में नागरिकों को भी समस्त करों की जानकारी होना उनके अधिकार क्षेत्र में आता है। श्रीमती राठी ने कहा कि सुकमा नपा में आज भी ऐसे बाहुबली है जिनसे नियमानुसार शुल्क नही वसुला जाता है तो दुसरी ओर मध्ययम व गरीब तबको से मनमानी शुल्क वसुला जाता है जिस पर लगाम कसेगा।

सुपर गर्ल्स स्पर्धा में छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोंड



जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सुपर गर्ल्स प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर परचनपाल विकासखंड बस्तर की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विधाओं में सफलता हासिल की है। छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता ने न केवल संस्थान, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में देविका तारम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति और तर्क क्षमता का परिचय दिया। वहीं, एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में कविता मरकाम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसी क्रम में एकल चित्रकला प्रतियोगिता में रिद्धि मरकाम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। छात्राओं की इस सफलता के पीछे उनके निरंतर अभ्यास, मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विद्यालय की सांस्कृतिक प्रभारी ज्योति पारासर सहित अन्य शिक्षकों ने छात्राओं को प्रतियोगिता की तैयारी में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा अन्य प्रतिभागियों से सीखने का अवसर मिला।

संस्था के प्राचार्य एआर नोनहारे एवं प्रधान पाठक प्रद्यूत पांडे सहित विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने सफल छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

कन्या शिक्षा परिसर परचनपाल की छात्राओं की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कालम की मांग तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

घाटलोहंगा। आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पृथक कॉलम जोड़े जाने की मांग को लेकर ओबीसी महासभा ने गुरुवार को बस्तर तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम साहू के निर्देशन, संभाग अध्यक्ष दिनेश यदु , उपाध्यक्ष तुलसीराम ठाकुर के मार्गदर्शन और संभागीय सचिव दिलेश्वरी ठाकुर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि जनगणना प्रपत्र में ओबीसी के लिए अलग कॉलम बनाया जाए और राज्यवार जाति सूची के साथ ड्रॉप-डाउन विकल्प की व्यवस्था की जाए, ताकि वर्गीकरण में त्रुटि न हो।

पैदल यात्रा कर महिलाओं ने किए दंतेश्वरी माता के दर्शन

बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बस्तर ब्लॉक के ग्राम कोलचूर सिवनागुड़ा की महिलाओं ने नवरात्रि उपवास रहते हुए पैदल यात्रा कर मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत महिलाओं ने कठिन पैदल यात्रा कर जगदलपुर पहुंचकर मां दंतेश्वरी का दर्शन-पूजन किया और बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव से भेंट की। बस्तर महाराज ने ग्रामीण अंचल की महिलाओं को अपने बीच देखकर महल परिसर में सम्मानपूर्वक बैठने की व्यवस्था की। उन्होंने महिलाओं का हाल-चाल जाना और जलपान कराया। इस दौरान महाराज ने कहा कि वे बस्तर दशहरा के साथ-साथ विभिन्न गांवों में जाकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरण करने में व्यस्त हैं। महिलाओं ने बस्तर दशहरा की परंपरा और महाराज के सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि उपवास में पैदल यात्रा कर माता के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

ओबीसी महासभा ने 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा



आज ओबीसी महासभा संभाग अध्यक्ष दिनेश यदू के मार्गदर्शन में बस्तर जिला अध्यक्ष रघुवंश यादव के नेतृत्व में ओबीसी के पदाधिकारियों के साथ कलेक्टर बस्तर को ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का पूर्ण लाभ दिलाने एवं मुख्य रूप से जनगणना में ओबीसी कालम को सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में इनकी मांग है कि प्रदेश में ओबीसी वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। जातिगत जनगणना कराकर ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या के आधार पर आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। गणना के ढांचे में प्रत्येक संवैधानिक श्रेणी एसटी, एससी व ओबीसी के लिए विशिष्ट जाति नाम की राज्यवार ड्रॉप डाउन सूची होनी चाहिए ताकि गलत वर्गीकरण डाटा छुटने और प्रशासनिक भ्रम को रोका जा सके।

इस अवसर पर ओबीसी महासभा के बस्तर संभाग उपाध्यक्ष तुलसी ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष गेंदालाल सोनी, जगदलपुर शहर अध्यक्ष जगमोहन यादव, नारायण, मनोज एवं अन्य पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में ओबीसी महासभा के लोग उपस्थित थे।

पदाधिकारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि इस ज्ञापन को शासन तक पहुंचाया जाए, अन्यथा आगामी दिनों में विशाल महारैली एवं उग्र आंदोलन किया जाएगा।

खिलाड़ियों ने लहराया परचम, सॉफ्टबॉल में जीते दो पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर



सारंगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बीजापुर जिले के सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग में बीजापुर की टीम ने रजत पदक तथा बालिका वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जिले के छह खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बीजापुर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन, टीम भावना और संघर्षशीलता का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में पदक हासिल करने के साथ ही छह खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होना जिले के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे बीजापुर के छह खिलाड़ी- राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में बालक वर्ग से लक्ष्य निषाद, शाहिल निषाद एवं मनीष वाचम तथा बालिका वर्ग से अनुराधा कोवासी, शिल्पा मरपाली एवं ज्योति ओयाम शामिल हैं। ये खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बीजापुर जिले और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, लगन और प्रशिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र बीजापुर के खिलाड़ियों ने साबित किया है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या संसाधनों की मोहताज नहीं होती। दृढ़ संकल्प, निरंतर अभ्यास और उचित अवसर मिलने पर ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाएं भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकती हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कलेक्टर विश्वदीप ने सभी पदक विजेता एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मुकेश कुमार देवांगन एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार पांडे तथा बीजापुर जिले के श्रम निरीक्षक एवं सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय कोच सोपान करणेवार उपस्थित रहे।

- अंडर-17 बालक वर्ग में रजत और बालिका वर्ग में कांस्य पदक


चतुर्थ पुण्यतिथि
जन्म
14 नवंबर 1964
स्वर्गवास
16 अक्टूबर 2022
स्व. मनोज सिंह मंडावी जी
पूर्व विधायक एवं उपाध्यक्ष छ.ग. विधानसभा
को चतुर्थ पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
सावित्री मनोज मंडावी
विधायक - भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र

खबर संक्षेप



पत्रकार को धमकी, सौंपा थाना प्रभारी को ज्ञापन

भानुप्रतापपुर। पत्रकार संघ भानुप्रतापपुर के सदस्य एवं पत्रकार अभिषेक ठाकुर को जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में पत्रकार संघ ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी की पहचान करने और उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन सौंपते समय पत्रकार संघ अध्यक्ष अजय साहू, सचिव अभिषेक पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार दूबे, सुमन सिन्हा, दीपक शर्मा, संजय सोनी, संतोष तिवारी, राजेश रंगारी, अनुज शर्मा, अभिषेक ठाकुर, आदित्य गोलानी सहित पत्रकार संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

12वीं के एसटी-एससी के मेधावी विद्यार्थियों का पंजीयन 31 तक

कांकेर। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना सत्र 2026-27 के अंतर्गत कक्षा 12वीं के अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों के पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक निर्धारित है। विद्यार्थियों के पंजीयन एवं सत्यापन के लिए 08 अक्टूबर से सभी प्राचार्यों एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को लिंक उपलब्ध करा दिया गया है। संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालय के प्राचार्यों को प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कांकेर द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार मेरिट सूची व दिशा-निर्देश राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल के होम पेज पर भी उपलब्ध है।

ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के बिना विकास कार्यों की स्वीकृति कैसेः ठाकुर राम

चारामा। वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं कांग्रेस नेता ठाकुर राम कश्यप ने प्रशासनिक स्वीकृति और कार्यादेश



जारी होने के बाद विकास कार्य को निरस्त किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से निरस्तीकरण के कारण स्पष्ट करने तथा पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में ग्राम पंचायत और ग्राम सभा के अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि मामले का संतोषजनक समाधान नहीं होने पर पंचायत प्रतिनिधि विरोध करेंगे और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहारा लिया जाएगा। ठाकुर राम कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद या विधायक मद से स्वीकृत विकास कार्यों में भी ग्राम पंचायत और ग्राम सभा की भूमिका तथा निर्धारित नियमों का पालन जरूरी है। यदि किसी कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद निरस्त किया गया है, तो इसके पीछे का आधार सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के प्रावधानों के पालन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां पेसा कानून और ग्राम सभा के अधिकारों का विशेष महत्व है।

आयुष शिविर में 935 का उपचार व 168 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की बूंदें

जिले में निःशुल्क एक दिवसीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 14 अक्टूबर को किया गया। आयुष विभाग के मार्गदर्शन तथा जिला आयुष अधिकारी कांकेर के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में कुल 935 लोगों को चिकित्सा लाभ प्रदान किया गया। शिविर में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा पद्धति के माध्यम से मरीजों को परामर्श एवं उपचार दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शिविर का उद्देश्य लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। सेवा संकल्प अभियान की प्रेरणा से आयोजित शिविर में विधायक आशाराम नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने की। आयुष स्वास्थ्य शिविर में कुल 935 लोगों को चिकित्सा सेवाएं दी गईं। इनमें आयुर्वेद पद्धति से 537, होम्योपैथी से 263 तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति से 135 मरीजों को परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। शिविर में पंचकर्म, अग्निकर्म तथा कपिंग थेरेपी के माध्यम से दर्द से राहत देने वाली चिकित्सा पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया गया। इससे लोगों को आयुष चिकित्सा की विभिन्न विधियों की जानकारी मिली। शिविर में 168 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की बूंदें पिलाई गईं। इसके साथ ही जड़ी-बूटी आधारित चिकित्सा पद्धतियों का भी प्रदर्शन किया गया। शिविर में लगाई गई औषधीय एवं चिकित्सा संबंधी प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। शिविर में उपस्थित अतिथियों ने आयोजित स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की।



ग्रामीण परिवारों तक आयुष पद्धति पहुंचाने पर जोर

इस अवसर पर विधायक आशाराम नेताम ने ग्रामीण एवं निर्धन परिवारों तक आयुष चिकित्सा पद्धति की पहुंच बढ़ाने तथा योगासन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने आयुर्वेद के महत्व और इसके व्यापक उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। उन्होंने आयुष चिकित्सा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

पारंपरिक व्यवस्था और संवैधानिक अधिकारों को लेकर जताई चिंता

यूसीसी की बैठक में मचा हंगामा, समाज प्रमुखों की नारेबाजी से कार्यवाही स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर समाजों की राय जानने पहुंची उच्च स्तरीय समिति को कांकेर में विरोध का सामना करना पड़ा। जिला पंचायत के सभाकक्ष में सुझाव लेने के लिए आयोजित बैठक में समाज प्रमुखों ने नारेबाजी करते हुए अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, ग्रामसभा के अधिकारों और आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था का मुद्दा उठने से बैठक का माहौल गरमा गया। विरोध के बीच बैठक की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इस घटनाक्रम ने बस्तर में यूसीसी के संभावित प्रभावों और आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

जिला पंचायत के सभाकक्ष में 15 अक्टूबर को आयोजित बैठक का उद्देश्य समान नागरिक संहिता को लेकर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करना और उनके सुझाव प्राप्त करना था। समिति विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार एवं विरासत तथा लिव-इन संबंधों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न समाजों की राय जानने पहुंची थी, लेकिन चर्चा शुरू होने के साथ ही समाज प्रमुखों ने यूसीसी के संभावित प्रभावों को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखीं। विरोध और नारेबाजी के बीच बैठक की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी और उसे स्थगित करना पड़ा।



परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान पर असर की आशंका

आयोजित बैठक में शामिल समाज प्रमुखों ने आशंका जताई कि समान नागरिक संहिता लागू होने की स्थिति में विभिन्न समुदायों की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान पर प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना था कि अलग-अलग समाजों में विवाह, पारिवारिक संबंधों, उत्तराधिकार और सामाजिक रीति-रिवाजों से जुड़ी व्यवस्थाएं लंबे समय से प्रचलित हैं। ऐसे में किसी भी प्रस्ताव पर विचार करते समय इन परंपराओं और समुदायों की विशिष्टताओं को ध्यान में रखना जरूरी है। समाज प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि कानून से जुड़े किसी भी निर्णय में संबंधित समुदायों की राय को महत्व दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि समाज की परंपराओं और अधिकारों से जुड़े विषयों पर चर्चा केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आपत्तियों और सुझावों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून का उठा मुद्दा

बैठक के दौरान बस्तर क्षेत्र में आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। समाज प्रमुखों ने कहा कि बस्तर का क्षेत्र पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहां आदिवासी समुदायों की परंपराओं, सामाजिक व्यवस्थाओं और ग्रामसभाओं की भूमिका का विशेष महत्व है। उन्होंने पेसा कानून के तहत ग्रामसभा के अधिकारों तथा स्थानीय परंपराओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधियों ने चिंता जताई कि यूसीसी को लेकर किसी भी प्रकार की पहल करते समय अनुसूचित क्षेत्रों की विशिष्ट परिस्थितियों और आदिवासी समाज की परंपराओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि संविधान से प्राप्त अधिकारों और सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान की रक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर समाज प्रमुखों ने विरोध दर्ज कराते हुए जरूरत पड़ने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी।

कमिश्नर-कलेक्टर की मौजूदगी में हुआ विरोध

उच्च स्तरीय समिति की इस बैठक में प्रशासनिक और विधिक क्षेत्र से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। समिति में सदस्य एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्य ज्योति रानी सिंह, सदस्य सचिव एवं रायपुर संभाग आयुक्त श्याम धावड़े, अधिवक्ता अक्षत अग्रवाल तथा विधि समिति के शोधकर्ता अधिकारी प्रांजल शर्मा शामिल रहे। जिला प्रशासन के अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिकारियों और समिति के सदस्यों की मौजूदगी के बावजूद समाज प्रमुखों का विरोध सामने आया। नारेबाजी और आपत्तियों के बीच बैठक की कार्यवाही स्थगित होने से यूसीसी को लेकर स्थानीय स्तर पर मौजूद असहमति और चिंताएं स्पष्ट रूप से सामने आईं।

यूसीसी पर आगे की चर्चा को लेकर बढ़ी निगाहें

समान नागरिक संहिता पर सुझाव लेने की प्रक्रिया के दौरान कांकेर में हुआ यह विरोध कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। एक ओर समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी समाज अपनी पारंपरिक व्यवस्था, सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा को लेकर आशंकाएं व्यक्त कर रहा है। बैठक स्थगित होने के बाद अब इस बात पर नजर रहेगी कि समाजों की ओर से उठाई गई आपत्तियों और सुझावों को आगे की प्रक्रिया में किस तरह शामिल किया जाता है।

मेड़ों स्कूल मतदाता पंजीयन शिविर, 17 का हुआ पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने और मतदाता सूची में नए नाम दर्ज कराने के उद्देश्य से गुरुवार 15 अक्टूबर को विकासखंड दुर्गूकोंदल के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेड़ों में विशेष मतदाता पंजीयन शिविर आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के निर्देशन में आयोजित शिविर में 17 भावी मतदाताओं का पंजीयन किया गया।

शिविर का आयोजन सेक्टर क्रमांक 06 के सेक्टर प्रभारी एवं विद्यालय के प्राचार्य हेमंत कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान संबंधित मतदान अधिकारियों ने पंजीयन प्रक्रिया में सहयोग करते हुए युवाओं को आवश्यक जानकारी दी। शिविर में मतदान अधिकारी मेड़ों क्रमांक 60 नंदू दुग्गा, गेंदलाल रावटे, मदले क्रमांक 59 के नरोत्तम साहू, सिहारी क्रमांक 61 के मतदान अधिकारी तथा सुखई क्रमांक 66 के मतदान अधिकारी नोमेश्वर निषाद की सहभागिता रही। शिविर के दौरान



युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया और मतदान के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा पात्रता के अनुसार मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। निर्वाचन विभाग का उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ना और उन्हें अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करना है। इस प्रकार के शिविर युवाओं को निर्वाचन प्रक्रिया से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेड़ों विद्यालय में आयोजित शिविर के माध्यम से भी नए मतदाताओं को पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने की पहल की गई।

छात्रवृत्ति की बचत राशि से 99 बच्चों को मिला ट्रैक सूट



धनेलीकन्हार। आदर्श आदिवासी बालक आश्रम सिंगारभाट क्रमांक एक एवं दो में आवासीय विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रवृत्ति की बचत राशि से आश्रम के 99 विद्यार्थियों को ट्रैक सूट प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ उनका उत्साहवर्धन करना था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम सिंगारभाट की सरपंच कौशल्या नेताम ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषयों को ध्यानपूर्वक समझें और आश्रम में आकर दिए गए गृहकार्य को पूरा करें। इसके साथ ही नियमित रूप से पढ़ाई का रिवीजन करने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम के विशेष अतिथि संकुल समन्वयक शीतला प्रसाद पाण्डेय ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करने तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

एसएसबी के नागरिक कल्याण कार्यक्रम में ग्रामीणों को साइकिल व बर्तन सेट बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंतागढ़

ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याण और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 28वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल अंतागढ़ की ओर से खोड़गांव, अंजरेल एवं महादेव टॉप क्षेत्र के लिए नागरिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वाहिनी कमांडेंट अरुण देवगम के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, बच्चे और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान 10 महिला एवं स्व-सहायता समूहों को बर्तन सेट, 11 स्कूली बालिकाओं को साइकिल तथा विद्यालयों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोकनृत्य से हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुति ने ग्रामीणों का मन मोह लिया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों और गांव की महिलाओं के बीच रस्साकशी



प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने उत्साह और टीम भावना के साथ हिस्सा लिया। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत मानव चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। वहीं पशु चिकित्सा शिविर में मवेशियों की जांच, उपचार और दवाइयां दी गईं। ग्रामीणों को पशुओं के उचित पोषण, रखरखाव और बीमारियों से बचाव की जानकारी भी दी गई। वाहिनी कमांडेंट अरुण देवगम ने कहा कि एसएसबी सुरक्षा के साथ सेवा, सहयोग और विश्वास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों से जुड़ी है। भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बालिकाओं को नियमित विद्यालय जाने, लक्ष्य निर्धारित करने और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में खोड़गांव की सरपंच चैती नुरेटी, समूह अध्यक्ष मैत्री कुमेटी, वार्ड पंच सुक्कू, ग्राम कोटवार मनहरू नुरेटी, शासकीय हाई स्कूल खोड़गांव के प्राचार्य विष्णु राम भोयर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से एसएसबी ने ग्रामीणों के साथ सहयोग और विश्वास के संबंधों को मजबूत करने का संदेश दिया।

कोदापाखा धान खरीदी केंद्र में 52 लाख की गड़बड़ी का आरोप

कर्मचारियों को हटाने की मांग



दुर्गूकोंदल। जिले के कोदापाखा धान खरीदी केंद्र में 52 लाख रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी को लेकर किसानों ने सवाल उठाए हैं। किसानों ने खरीदी प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और समिति के कर्मचारियों को हटाने की मांग करते हुए अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी का कार्य नई टीम से कराने की मांग की है। किसानों ने जिला प्रशासन और सहकारिता विभाग के अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की अपील की है।

किसानों का आरोप है कि कोदापाखा समिति और धान खरीदी केंद्र लंबे समय से घाटे में चल रहे हैं। समिति को घाटे से बचाने के उद्देश्य से किसानों द्वारा प्रति क्विंटल 1250 ग्राम अतिरिक्त धान दिए जाने की बात भी कही गई है। इसके बावजूद समिति में घाटा होने की जानकारी सामने आने पर किसानों ने हिसाब-किताब की जांच की मांग उठाई है। उनका कहना है कि वित्तीय स्थिति की जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। किसानों ने मांग की है कि आगामी धान खरीदी सीजन शुरू होने से पहले वर्तमान खरीदी प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और समिति के कर्मचारियों को हटाकर नए कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। उनका मानना है कि नई टीम के माध्यम से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया और वर्तमान कर्मचारियों से ही खरीदी कराई गई, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में जगतराम दुग्गा, रामजी पुड़ों, सरपंच नंदू खरे, तुलसी मतालामी, रमशीला कोमरा, सोमनाथ नेताम, दिनेश कुमार मामले, गुलाब बघेल, रमेश कुमार दुग्गा, सियाराम पोटाई, विष्णु प्रसाद, मुकेश गावड़े सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

ज्ञान प्रोत्साहन योजना के तहत पंजीयन 31 तक

कांकेर। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना सत्र 2026-27 के तहत कक्षा 12वीं के एसटी-एससी वर्ग के मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों का पंजीयन एवं सत्यापन 31 अक्टूबर तक होगा। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अनुसार विद्यार्थी राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर बोर्ड परीक्षा के रोल नंबर से पंजीयन कर जाति, निवास प्रमाण-पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरुष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पलाचूर डेम में बैंबू राफ्टिंग और बोटिंग शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण ग्राम पंचायत दुर्गूकोंदल के आश्रित ग्राम पलाचूर स्थित डेम में बुधवार को बैंबू राफ्टिंग एवं बोटिंग का शुभारंभ किया गया। ग्रामीणों की सामूहिक पहल, ग्राम सभा के प्रयास और जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल तथा प्रदान संस्था के सहयोग से विकसित हो रहे इस पर्यटन स्थल से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही स्थानीय युवाओं और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।

पलाचूर डेम को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की पहल ग्रामीणों ने अपने संसाधनों और सामुदायिक सहभागिता से की। ग्राम पंचायत ने 16वें



वित्त आयोग के तहत पंचायत की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रयास शुरू किए। जनपद पंचायत और प्रदान संस्था के मार्गदर्शन में महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों और युवाओं को खमढोड़गी डेम का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। वहां की पर्यटन गतिविधियों से प्रेरित होकर ग्रामीणों ने अपने गांव में भी ऐसी सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया। शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष बिदे सिंह कल्लो रहे। विशिष्ट अतिथियों में रामचंद्र कल्लो, किशोर सिन्हा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष आयनु राम ध्रुव, जनपद सदस्य सविता उइके और विजय पटेल शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच शकुंतला नरेटी ने की। अतिथियों ने कहा कि स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग कर पर्यटन को आजीविका का माध्यम बनाया जा सकता है। इससे ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ क्षेत्र की पहचान भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के सीईओ बेनूराम सुखदेवे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरडी ठाकुर, प्रदान संस्था के टीम कोऑर्डिनेटर हेमंत और थाना प्रभारी सुनील दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में महिला समूह की अध्यक्ष सरिता उइके, सचिव कमिला नरेटी, कोषाध्यक्ष राजिमा मरकाम, युवाओं और प्रदान संस्था के सदस्यों का योगदान रहा। पलाचूर डेम में राफ्टिंग और बोटिंग की शुरुआत ग्रामीण पर्यटन, स्वरोजगार और पंचायत की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

